



धसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उपसण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 197]

नई विल्ली, शुक्रवार, नथम्बर 5, 1971/कार्तिक 14, 1893

No. 197]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 5, 1971/KARTIKA 14, 1893

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह धलग संकलन के रूप में रखा जा सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 5th November 1971

G.S.R. 1683.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts newspapers and all other printed periodicals falling under Item No. 61 of the first Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), cleared for home consumption in any calendar year from the whole of the duty of excise leviable thereon provided that average circulation of each such newspaper or, as the sase may be, periodical, in such year does not exceed fifteen thousand copies per publishing day.

Explanation.—In this notification, "average circulation", in relation to a newspaper or, as the case may be, a printed periodical, means the average number of copies sold and includes copies distributed free

per publishing day, calculated on the basis of the total number of days of publication during the calendar year and where such newspaper or periodical is published from more than one place, the average circulation shall be the aggregate of average circulation of such newspaper or periodical published from each such place of publication.

2. This notification shall come into force on the 15th day of November, 1971. [No. 190/71.]

विस मंत्रालय

(राजस्य ग्रीर बीमा विभाग)

ग्रधिसूचनाएं

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1971

सा० का० नि० 1683 .— केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रीर लवण श्रिष्ठिनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम प्रनुसूची की मद सं० 61 के ब्राधीन श्राने वाले समा- चारपत्नों ग्रीर सभी श्रन्य मुद्रित सामयिकियों को, जो स्वदेश में उपभोग के लिए किसी कलेंडर वर्ष में निकासित की गई है, उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से एतद्द्रारा छूट देती है, परन्तु कि, यथा- स्थिति, ऐसा प्रत्येक समाचार-पत्न या सामयिकी का श्रीसत परिचलन ऐसे वर्ष में प्रत्येक काशन दिन को पन्द्रह हजार प्रतियों से श्रिधिक न ो।

स्पद्धीकरण :—इस श्रिष्म्चना में, यथास्थित किसी समाचार-पत्न या मुद्रित सामयिकी के संबंध में ''भ्रौसत परिचलन'' से विकय की गई प्रतियों की श्रीसत संख्या श्रिप्रतेत है श्रीर इसमें कैलेन्डर वर्ष के ौरान प्रकाशन के दिनों की कुल संख्या के श्राघार पर संगणित प्रति प्रकाशन दिन को वितरण की गई निःशुल्क प्रतियां सम्मिलित हैं श्रीर जहां ऐसा समाचार-पत्न या सामयिकी एक से श्रिष्ठक स्थानों से प्रका-शित की जाती है वहां श्रीसत परिच तन ऐसे प्रत्येक प्रकाशन स्थान से ऐसे समाचार-पत्न या सामयिकी के श्रीसत परिचलन का योग होगा।

२. यह प्रधिसूचना 15 नवम्बर, 1971 को प्रवृत होगी।

[सं॰ 190/71]

- G.S.R. 1684.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of ne Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts news-papers and all other printed periodicals falling under Item No. 61 of the First ichedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon provided that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that such newspapers or printed periodicals are not ordinarily intended for sale.
 - 2. This notification shall come into force on the 15th day of November, 1971.

सा० का० ति० 1684. — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और लवण श्रिष्ठनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 61 के श्रिष्ठीन श्राप्त वाले समाचार-पत्नों श्रीर सभी श्रन्य मुद्रित सामियिकियों पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से एतद्द्वारा छूट देती है परन्तु कि सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर से श्रीनम्न पंक्ति के श्रीधकारी का समाधान हो गया हो कि ऐसे समाधार-पत्न या मुद्रित सामियिकियों मामूली तौर पर विकाय के लिए श्राश्रीयत नहीं हैं।

यह प्रधिसूचना 15 नवम्बर, 1971 को प्रवृत्त होगी।

[सं॰ 191/71.]

G.S.R. 1685.—In exercise of the powers conferred by rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 197/62-Central Excises, dated the 17th November, 1962, namely:—

In the Table annexed to the said notification, in column 2, against Serial No. 1, the following entry shall be added at the end, namely:—

"Newspapers and all other printed periodicals".

2. This notification shall come into force on the 15th day of November, 1971.

[No. 192/71.]

B. K. AGARWAL, Under Secy.

सा० का० नि० 1685 .—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 12 द्वारा प्रदश्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के बित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की श्रिधसूचना सं० 197/62—के०उ०शु०, तारीख 17 नवम्बर, 1962 में श्रीर श्रागें एतद्-द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रयांत :—

उक्त श्रधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में क्रम संख्या 1 के सामने स्तम्भ 2 में निम्नलिखित प्रविष्टि श्रन्त में ओड़ी जाएगी, प्रर्थात :--

"समाचार-पत्न भौर सभी भ्रन्य मुद्रित सामयिकियां"।

2. यह अधिसूचना 15 नवम्बर, 1971 को प्रवृत्त होगी।

[सं॰ 192/71]

बी० के० ग्रग्रवाल, ग्रवर सचिव।